Date ___/___/_____

* कला की विशेषताएँ (Characteristics of Art)

- मानव जीवन में कला का ~~यह~~ महत्वपूर्ण स्थान है। अपने मनोगत भावों को सौन्दर्य के साथ दृश्य रूप में व्यक्त करना ही कला की विशेषता है। आचार्य हेमरत्न के अनुसार 'अपने किसी न किसी वस्तु के माध्यम से व्यक्त करना ही कला कि विशेषता है और यह अभिव्यक्ति चित्र, नृत्य, मूर्ति, वादय, नाट्य, गायन आदि के माध्यम से होती है' प्रत्येक कलात्मक प्रक्रिया का उद्देश्य सौंदर्य तथा आनन्द की अभिव्यक्ति होता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा इस रूप में इसे अपनी भावनाओं तथा विचारों का प्रत्यक्षीकरण करना पड़ता है यह प्रत्यक्षीकरण या प्रकटीकरण कला के माध्यम से ही संभव है। प्राचीनकाल में कला को साहित्य और संगीत के समकक्ष मानते हुए मनुष्य के लिए उसे आवश्यक बताया गया है। भर्तृहरि ने अपने नीति-शतक में स्पष्टतः लिखा है कि साहित्य, संगीत तथा कला से हीन मनुष्य पूँछ और सींग से रहित साक्षात् पशु के समान है —

साहित्यसंगीतकला विहीनः
साक्षात्पशु पुच्छविषाणहीनः।

कला, संस्कृति की वाहिका है

भारतीय संस्कृति के विविध आयामों में व्याप्त मानवीय एवं रसात्मक तत्व उसके कला रूपों में प्रकट हुए हैं कला जहाँ एक ओर वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान रखती है, वहीं दूसरी ओर भाव एवं रस को सदैव प्राणतत्व